देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर, 10 जनवरी 2025। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज ईएमआरसी, तक्षशिला परिसर में आयोजित की गई। बैठक में वित्त समिति की निम्नलिखित अनुशंसाओं को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की –

1. जनजातीय अध्ययनशाला एवं विकास केन्द्र की स्थापना हेतु बजट में 14.50 लाख के प्रावधान को पारित किया गया।

2. आई.आई.पी.एस. संस्थान द्वारा अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने हेतु 14 लाख के बजट को पारित किया गया।

3. विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक शिक्षकों को राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय कान्फ्रेंस में शोध पत्र प्रस्तुत करने हेतु वित्तीय सहायता के प्रावधान को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

विश्वविद्यालय स्थित स्वास्थ्य केन्द्र में स्त्री रोग विशेषज्ञ की उपलब्धता के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वि.वि. के पूर्व छात्र श्री दर्पण चोपड़ा द्वारा स्कूल ऑफ लाईफ साईंस में एम.एस.सी. लाईफ साईंस एवं इंडस्ट्रीयल बायोलॉजी में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रायोजित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

माननीय कुलगुरु जी ने सदस्यों को अवगत कराया कि झाबुआ स्थित महाविद्यालयों में विज्ञान विषय के शिक्षण के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा ऑनलाईन कक्षाएं आयोजित की जायेगी एवं विश्वविद्यालय अपना एक केन्द्र झाबुआ में स्थापित करेगा। उन्होने यह भी अवगत कराया कि झाबुआ में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा मेडिकल कालेज स्थापित किया जायेगा, इस हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को जिला अस्पताल झाबुआ एवं अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराई जायेगी। कार्यपरिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कुलगुरु जी ने सदस्यों को सूचित किया कि केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केन्द्र, आयुष मंत्रालय के साथ एम.ओ.यू. स्थापित किया जायेगा जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय में एक होम्योपैथी शोध केन्द्र स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों हेतु

ओ.पी.डी. की सुविधा के अंतर्गत इलाज उपलब्ध कराने के लिए इन्दौर के विभिन्न अस्पतालों से CGHS रेट्स पर अनुबंध किया जायेगा।

कार्यपरिषद् सदस्य श्री ओम शर्मा जी ने नालंदा परिसर में प्रतिदिन माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीपप्रज्वलन के साथ कार्य दिवस प्रारंभ करने की परंपरा प्रारंभ करने के लिए कुलगुरु जी का अभिनंदन किया साथ ही पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी रहते हुए कार्य परिषद् ने श्री ओम शर्मा जी के प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय के समस्त कार्यालयों में प्रतिदिन 1:30 से 2:00 बजे तक बिजली का उपयोग नहीं किया जायेगा। कार्य परिषद् सदस्य डॉ. वैशाली वाईकर ने माँ अहिल्या के जन्म के त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का प्रस्ताव दिया जिस पर कुलगुरु जी ने अवगत कराया कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में त्रिशताब्दी वर्ष के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। डॉ. ए.के. द्विवेदी जी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों हेतु आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में माँ अहिल्या के जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया जाए। इन समस्त प्रस्तावों को कार्यपरिषद् ने मान्य किया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार करते हुए कार्यपरिषद् की समस्त कार्यवाही को एक **''ऐप''** द्वारा संचालित किया जाएगा। जो कि देश के किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रथम एवं अनूठी पहल होगी। कार्यपरिषद् सदस्य श्री ओम शर्मा जी द्वारा ''एक राष्ट्र एक नाम – भारत'' की अवधारणा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त अभिलेखों एवं दैनंदिनी कार्य में भारत नाम का ही उपयोग किये जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की।

बैठक के अंत में कार्यपरिषद् सदस्य के रूप में कार्यकाल समाप्त होने पर प्रो. गणेश्वर मिश्रा का सम्मान किया गया। बैठक समाप्ति के पश्चात कार्यपरिषद् सदस्य, कुलगुरु जी एवं कुलसचिव विश्वविद्यालय के छात्रावास एवं अतिथिगृह पहुंचे तथा वहां की व्यवस्था का अवलोकन किया एवं विद्यार्थियों से चर्चा की।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी